DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

लिंग

LIVE 19-04-2024 09:00 AM

लिंग

- पुल्लिंग
- स्त्रीलिंग

परिभाषा - लिंग का अर्थ **चिह्न या पहचान का साधन** है।
लिंग **संस्कृत** भाषा का शब्द है।

" संज्ञा के जिस रूप से किसी वस्तु या व्यक्ति के **नर / मादा** होने का बोध हो उसे लिंग कहते है। "

हिन्दी में लिंग **दो** प्रकार के होते है।

पुल्लिंग ⇒ जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है उसे पुल्लिंग कहते हैं।

↳ ट्रिक - शब्द के आगे मेरा / अच्छा लगाकर देखे।

* आ, आव, पा, पन ये प्रत्यय जिन शब्दों के अन्त में हो वे प्रायः पुल्लिंग होते हैं।

मोटा, चढ़ाव, बुढ़ापा, बचपन

* महासागरों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

प्रशान्त, हिन्द, आर्कटिक, अटलांटिक महासागर

* पर्वत और कुछ ग्रहों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

विन्ध्याचल, अरावली, हिमालय, सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध

अपवाद - पृथ्वी (स्त्री)

↓

स्त्रीलिंग

* वार एवं महीनों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

सोमवार, मंगलवार, बुधवार, कार्तिक, चैत्र, वैशाख, आषाढ़

जनवरी, फरवरी, जुलाई, मई

↓

स्त्रीलिंग

* पेड़ों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

पीपल, नीम, आम, शीशम, सागौन, जामुन (इमली, खेजड़ी, तुलसी - स्त्रीलिंग)

* अनाजों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

गेहूँ, चावल, चना, जौ उड़द (ज्वार, सरसों, अरहर, मूंग)

* धातु एवं द्रव पदार्थों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

पीतल, सोना, ताँबा, पारा, लोहा, पानी, शर्बत, दही, घी, तेल, सिरका, काढ़ा

अपवाद - चाँदी, मणि, चाय, कॉफी, लस्सी, स्याही, दाल - स्त्रीलिंग

* कुछ वर्ण पुल्लिंग होते हैं।
अ, आ, उ, ऊ, ए, ऐ, ओ, औं, क, ख, ग, घ, च, ढ, य, र, ल, व, श
(अपवाद - इ, ई, ऋ स्त्रीलिंग)

* रत्नों के नाम पुल्लिंग होते हैं।
हीरा, पुखराज, मोती, पन्ना, मूंगा

* कुछ देह अवयवों के नाम पुल्लिंग होते हैं।
माथा, दाँत, हाथ, कान, गला, तालु, मुँह, नाखून, अँगूठा

* जल, स्थल और भूमण्डल के भागों के नाम पुल्लिंग होते हैं।
समुद्र, भारत, देश, नगर, द्वीप, रेगिस्तान, सरोवर (श्रीलंका - स्त्रीलिंग)

* समय तथा विभागों के नाम अधिकांश पुल्लिंग होते हैं।
  घण्टा, मिनट, सैकेण्ड, पहर, दिन, दिनांक काल, वक्त, क्षण, लम्हा
  सप्ताह, पक्ष, पखवाड़ा, महीना, वर्ष, युग इत्यादि।

* जिन संज्ञाओं के अन्त में 'त्र' आता है।
  चित्र, शस्त्र, अस्त्र, नेत्र, क्षेत्र, चरित्र

* जिन संज्ञाओं के अन्त में 'न' होता है।
  पालन, वचन, नयन, गमन

* जिन संज्ञाओं के अन्त में 'ज' होता है।
  जलज, पिण्डज, सरोज, स्वेदज

* जिन भाववाचक संज्ञाओं के अन्त में त्व, त्य, य, व होता है।
  बहुत्व, सतीत्व, नृत्य, कृत्य, गौरव, माधुर्य

* जिन शब्दों के अन्त में आय, आर, आस हो।
विकार, संसार, अध्याय, समुदाय, उल्लास, विकास (आय - स्त्रीलिंग)
* जिन संज्ञाओं के अन्त में 'अ' होता है।
मोह, क्रोध, द्वेष, स्पर्श
* दान, खाना, वाला से समाप्त होने वाले शब्द पुल्लिंग होते हैं।
खानदान, पीकदान, दवाखाना, जेलखाना, कारखाना, दूधवाला, सब्जीवाला
दुकानवाला